अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.12.2022

समय सीमा : 3 घंटा चतुर्थ वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

भिक्षु दृष्टांत–40

प्र. 1 किन्हीं तेरह प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 13

(क) निन्ह्व का अर्थ क्या है?

(ख) आचार्य जयमलजी के सम्प्रदाय के साधुओं ने संघ से अलग होकर नव दीक्षा स्वीकार की। फिर आचार्य भिक्षु उनमें सम्यक्त्व और चारित्र दोनों ही क्यों नहीं मानते थे?

(ग) जिसे दो उपवास का प्रायश्चित्त हो, उसे कोई तीन उपवास का प्रायश्चित्त दे तो देने वाले को क्या प्रायश्चित्त आता है?

(घ) हस्तूजी और कस्तूरांजी के पिता कौन थे तथा उन्होंने स्वामीजी को गुरु कब बनाया?

(ङ) खेती तो की है, पर गांव की सीमा पर। स्वामीजी ने ऐसा क्यों कहा?

(च) अनाज के एक दाने में कितने प्राण और पर्याप्ति पाई जाती है?

(छ) आहार की प्रार्थना के बाद, पानी को नीचे गिरता जान। आचार्य भिक्षु ने आहार क्यों नहीं लिया?

(ज) तुम्हारे तीसरे महाव्रत के द्रव्य, क्षैत्र, काल, भाव और गुण क्या हैं? स्वामीजी ने यह प्रश्न किससे पूछा और उसने क्या कहा?

(झ) 'तुम सम्यक्त्व को रख सकोगे, यह कठिन लगता है' स्वामीजी ने यह वाक्य किससे और क्यों कहा?

(ञ) आचार्य भूधरजी के तीन शिष्यों के नाम लिखें।

(ट) 'यह तो साक्षात तांबे का सिक्का है।' यह कथन किसने किसके लिए कहा?

(ठ) किसान हल जोतता है, वह भी हल की रेखा सीधी बनाता है। स्वामीजी ने यह प्रतिबोध किसे और क्यों दिया?

(ड) स्वामीजी ने मुनि तेणीरामजी का संघ से विच्छेद क्यों किया? तथा संघमुक्त होने के बाद उन्होंने किस विपरीत मान्यता का प्रतिपादन किया?

(ढ) दूसरों पर वैराग्य का रंग कौन चढ़ा सकता है?

(ण) आंखों में दवा ज्यादा डालते हैं, संभव है कहीं आंख गंवा बैठे। स्वामीजी ने यह कथन किसको लक्ष्य करके कहा?

प्र. 2 किन्हीं दो घटना प्रसंगों को 100 से 150 शब्दों में लिखें– 12

(क) एक मात्र भीखणजी स्वामी ही हैं।

(ख) दान मुख्यतः कायिक प्रयोग है।

(ग) बासी रोटी सजीव या अजीव।

(घ) आप 'जी' क्यों कहते हो?

(ङ) हमें पुण्य कैसे होगा।

प्र. 3 किसी एक प्रश्न का विस्तार से उत्तर दीजिए– 15

(क) दृष्टांतों द्वारा सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु आचार-निष्ठ व्यक्ति थे।

(ख) संवेगी मुनि रवंतिविजयजी के साथ आचार्य भिक्षु ने जो चर्चा की उसका उल्लेख करते हुए स्पष्ट करें कि आचार्य भिक्षु अपराजेय व्यक्तित्व के धनी थे।

महासती सरदारां–15

प्र. 4 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 3

(क) मुनि जीत के साथ सरदारां के चर्चा के विषय क्या थे?

(ख) सरदारां ने प्रदेशी राजा के इतिवृत्त को पुनर्जीवित कैसे किया?

(ग) फलौदी में समस्या की घाटी पार हुई तो चुरू पहुंचते ही विकराल रूप से खड़ी हो गई। तब सरदारां ने कौन सी प्रतिज्ञा की?

(घ) सरदार सती को साध्वियों के सिंघाड़े की व्यवस्था का निर्देश देने के पीछे जयाचार्य का क्या उद्देश्य था?

(ङ) जयाचार्य की सन्निधि में सरदार सती ने किस-किस की आलोचना की?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) सिद्ध करें कि दायित्व का निर्वाह करते हुए भी सरदारां ने तपस्या को कभी विस्मृत नहीं किया।

(ख) सिद्ध करें कि त्याग के पथ पर बढ़ने वालों के लिए सरदारां ने आदर्श की अमिट रेखा खींची।

(ग) सरदारां के अग्रगण्य पद पर नियुक्ति का वर्णन करें।

अनुकंपा की चौपाई–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें– 5

(क) पांच स्थावर जीवों की हिंसा से दुर्गति दोष बढ़ते हैं। यह किस सूत्र में कौन से अध्याय में बताया गया है?

(ख) साधु विराधक कब बन जाता है?

(ग) पार्श्वकुमार ने कौन-कौन से जीवों की हिंसा करके भी नाग-नागिन को जीवत रखा?

(घ) छद्मस्थ अवस्था में भगवान के प्रतिसमय कितने कर्म लगते थे?

(ङ) जीव हिंसा क्यों करता है?

(च) रोगी, ग्लान और वृद्ध की सेवा साधु नहीं करे तो किस कर्म का बंध होता है?

(छ) मूला खिलाने से जो मिश्र धर्म कहते हैं। उनकी श्रद्धा कैसी है?

प्र. 7 'दया भगोती छे सुखदाई' जिनेश्वर देव की वाणी के अनुसार इसका विवेचन करें। 10

अथवा

ढाल 11 के आधार पर संसार और मोक्ष के उपकार का विशद विवेचन करें।

प्र. 8 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) ते रूकीया नहीं कर्म आवतां, नहीं कटीया हो तिणरा आगला कर्म।
नरक जातो रह्यो नहीं, न सीखायो हो तिणने भगवंत धर्म।।

(ख) घट में ग्यांन धाले ने पाप पचखावे, तिण पडतो राख्यो भव कुआ मांह्यो।
भावे लाय सूं बलता ने काढ़े रक्षेसर, ते पिण गेहला भेद न पायो।।

(ग) मोह कर्म उदे सूं सावज्ज सेवियो रे, छदमस्थ थकां री भगवान रे।
अजांणपणें न विण उपीयोग छे रे, ते बुधवंत सुणो सुरत दे कांन रे।।

(घ) मछ गलागल लग रही, सारा द्वीप समुद्रां मांय जी।
मोटो मछ छोटा नें भखे, उण सूं मोटो उणनेंइ खाय जी।।

भिक्षु वाणी–15

प्र. 9 कोई दो पद्यों की पूर्ति करें– 6

(क) खोटो.....किम जाय।।

(ख) समचें.....भेल सभेली।।

(ग) ते पाप.....नहीं दोस।।

(घ) केई विनीत.....अविनीत।।

प्र. 10 किन्हीं तीन विषयों पर पद्य लिखें– 9

(क) अज्ञानी।

(ख) अविनीत।

(ग) दुःषमाकाल।

(घ) मिथ्या आचरण।